







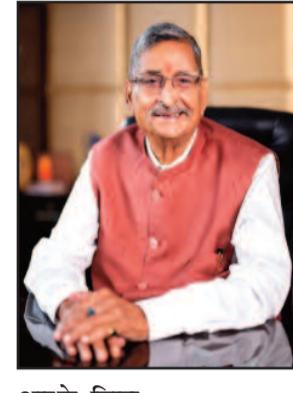




# सम्पादकीय

# क्या आप भी जाएंगे कुंभ में स्नान के लिए

क्यों करोड़ों श्रद्धालु जुड़ते हैं कुम्भ से



आर.क. सन्हा

महाकुभ का शुभाभर हा चुका ह। पांष पूर्णिमा पर पहला स्नान विगत 13 जनवरी को हुआ। देश के कोने-कोने से भक्त प्रयागराज आ रहे हैं। विदेशी श्रद्धालु भी बड़ी तादाद में कुंभ में स्नान करने पहुंच रहे हैं। क्या आप भी महाकुंभ में स्नान करने जाएंगे? अगर आप जा रहे हैं, तो आप अपने को भाग्यशाली मान सकते हैं। आपको यहां कई तरह के धार्मिक अनुष्ठान होते हुए दिखाई देंगे। जैसे कि यज्ञ, हवन, और कीर्तन। ये अनुष्ठान वातावरण को शुद्ध करते हैं और श्रद्धालुओं को भगवान के प्रति अपनी भक्ति व्यक्त करने का अवसर देते हैं। कुंभ मेला एक धार्मिक और आध्यात्मिक अनुभव है जो लोगों को भगवान के करीब लाता है। यह एक ऐसा समय है जब लोग अपने पापों से मुक्ति पा सकते हैं और मोक्ष की प्राप्ति कर सकते हैं। यह भारत की सांस्कृतिक विविधता और सामाजिक समरसता का प्रतीक है। यह आत्म-अनुशासन और त्याग के महत्व को दर्शाता है। यह एक ऐसा उत्सव है जो लाखों लोगों को एक साथ आने और अपनी आस्था को मजबूत करने का अवसर देता है। कुंभ मेले की

सुरुआत समुद्र मथन का पाराणिक कथा से जुड़ी है। इस कथा के अनुसार, देवताओं और असुरों ने मिलकर अमृत (अमरता का दिव्य पेय) पाने के लिए समुद्र मंथन किया था। जब अमृत का कुंभ निकला, तो देवताओं और असुरों के बीच इसे पाने के लिए युद्ध हुआ। इस दौरान, अमृत की कुछ बूटे इन चार स्थानों पर गिरे, जिन्हें पवित्र माना जाता है। इसलिए, इन स्थानों पर कुंभ मेले का आयोजन होता है। कुंभ मेले का आयोजन उन स्थानों पर होता है जहां पवित्र नदियों का संगम होता है, जैसे गंगा, यमुना और सरस्वती का संगम प्रयाग में। इन नदियों में स्नान करना हिन्दू धर्म में बहुत शुभ माना जाता है। मान्यता है कि इस दौरान नदियों में स्नान करने से पापों से मुक्ति मिलती है और मोक्ष की प्राप्ति होती है। अब बात प्रयागराज और कुंभ के संबंधों की भी। प्रयाग (बहु-यज्ञ स्थल) को कहा जाता है। प्राचीन काल से ही ‘तीर्थराज’ के रूप में प्रसिद्ध हुआ यह संगम स्थल पर हुए अनेक यज्ञों की वजह से, जिनमें पहला यज्ञ किया सृष्टिकर्ता प्रजापति ब्रह्मा ने सृष्टि की रचना के तत्काल बाद। यज्ञविदी है गंगा, यमुना और गुरु रूप से बहने वाली सरस्वती की धारा, जो इस क्षेत्र को तीन भागों में विभाजित करती है। ‘पद्म पुराण’ में इसकी तुलना साक्षात् सूर्य से करते हुए कहा गया है कि जहां सरस्वती, यमुना और गंगा का संगम होता है, वहां स्नान करने वाले ब्रह्मपद को प्राप्त करते हैं। यह यज्ञ की महिमा ही है, जिसके कारण मान लिया गया है, कि जो प्रयाग की धरती पर पैर भी धर लेता है, उसे हर कदम पर अश्वेष्य यज्ञ का फल मिलता है। प्रयाग में लगभग 70 हजार तीर्थ उपस्थित हैं। पद्म पुराण के अनुसार



अपन घर म मृत्युशम्भा पर पड़ा व्याक  
भी, यदि दूर भी रहते प्रयाग का नाम  
स्मरण कर ले तो ब्रह्मलोक का भागी  
होता है। 'मत्स्य पुराण' में कहा गया  
है कि युग चक्र पूर्ण होने पर जब रुद्र  
(शिव) पृथ्वी का विनाश करते हैं,  
प्रयाग तब भी नष्ट नहीं होता है,  
क्योंकि विष्णु वेणीमाधव, शिव  
अक्षय वटवृक्ष के रूप में और स्वयं  
ब्रह्मा छत्र में उपस्थित रहते हैं।  
शूलपाणि स्वयं वट की रक्षा करते हैं  
और यहां मृत्यु प्राप्त करने वाले को  
सीधे शिवलोक की प्राप्ति होती है।  
पुराणों के अनुसार यदि कोई व्यक्ति  
संगम की मिट्ठी का भी अपने शरीर पर  
स्पर्श करा लेता है, तो समस्त पापों से  
मुक्त हो जाता है और गंगा स्नान के  
बाद स्वर्ण के पुण्य का भागीदार बन  
जाता है। यहां यदि किसी को मृत्यु  
प्राप्त होती है, तो वह जन्म और मृत्यु  
के सांसारिक चक्र के बंधनों से मुक्त  
हो जाता है। कुंभ मेला लाखों- करोड़ों  
लोगों को एक साथ आने का अवसर  
देता है। यहा विभिन्न साधु-संगठन  
साधु और अन्य धार्मिक गुरु  
दर्शन होते हैं, जिससे प्रदालुप  
आध्यात्मिक ज्ञान और प्रेरणा  
है।

यह एक ऐसा स्थान है जहां  
जब लोग सांसारिक बंधनों से मुक्त होकर भगवान की भक्ति में लगते हैं। यह भारत की सांस्कृतिक विविधता का एक अद्भुत उदाहरण है। विभिन्न राज्यों और क्षेत्रों से आते हैं, जिससे विभिन्न संस्कृत और परंपराओं का संगम होता है। लोक नृत्य, संगीत, कला शिल्प का प्रदर्शन किया जाता है। इसे एक रंगीन उत्सव बनाता है। धर्म-कर्म स हटकर बात करें, मेला सामाजिक समरसता का एक विविधता का अद्भुत उदाहरण है। यहाँ सभी जाति, धर्म और जाति के लोग एक साथ आते हैं और धर्मानुष्ठान करते हैं। यह एक ऐसा स्थान है जहां सभी जाति, धर्म और जाति के लोग एक साथ आते हैं और धर्मानुष्ठान करते हैं। यह एक ऐसा स्थान है जहां सभी जाति, धर्म और जाति के लोग एक साथ आते हैं और धर्मानुष्ठान करते हैं। यह एक ऐसा स्थान है जहां सभी जाति, धर्म और जाति के लोग एक साथ आते हैं और धर्मानुष्ठान करते हैं।

सच्चा मंसखा न भा ज्ञान लिया। इसमें आने वाले लोग कई तरह के त्याग और अनुशासन का पालन करते हैं। वे साधारण जीवन जीते हैं, जमीन पर सोते हैं और सात्त्विक भोजन करते हैं।

यह उन्हें अपने अंदर की शांति और संयम को बढ़ाने में मदद करता है। अगर आप आपने तोकुंभ मेला हिन्दू धर्म का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है जो लाखों लोगों को आध्यात्मिक शांति और आनंद प्रदान करता है। यह एक ऐसा पर्व है जो हिन्दू संस्कृति की विविधता और गहराई को दर्शाता है। ज्योतिषीय गणनाओं के अनुसार, जब बृहस्पति कुंभ राशि में प्रवेश करते हैं और सूर्य मेष राशि में होते हैं, तब पूर्ण कुंभ का आयोजन होता है। यह खण्डोलीय संयोग इस मेले को और भी खास बना देता है। यह विश्व का सबसे बड़ा धार्मिक और शांतिपूर्ण जमावड़ होगा, जिसमें विभिन्न संस्कृतियों और

पृथग्भूम के लाग एक साथ आते हैं। कुंभ मेला केवल एक धार्मिक आयोजन भी नहीं है, बल्कि यह एक आध्यात्मिक अनुभव भी है। यहाँ साधु, संत, नाग बाबा और अन्य धार्मिक गुरुओं के दर्शन होते हैं, जो अपने ज्ञान और अनुभवों से लोगों को प्रेरित करते हैं। यह मेला आन्ध्र-खोज और आध्यात्मिक विकास का एक अनुग्रह अवसर प्रदान करता है। देश के विभिन्न हिस्सों से लोग आते हैं और अपनी पारंपरिक कला, संगीत, नृत्य और वेशभूषा का प्रदर्शन करते हैं। कुंभ मेले का वैश्विक पर्यटन से संबंध है। दुनिया भर से पर्यटक इस मेले की भव्यता और आध्यात्मिकता को देखने के लिए आते हैं। यह भारत की संस्कृति और विरासत को वैश्विक स्तर पर प्रदर्शित करने का एक शानदार अवसर है। आपको इसने विशेष मेले का हिस्सा तो बनना ही चाहिए। (लेखक बरिष्ठ संपादक, स्टंभकार और पूर्व सांसद हैं)

**ਲਾਕਾਮਗ ਫਾ ਰਾਂ ਫਿਰਿਆ ਫ ਸਗ**

# क्या इसका बीमा कंपनियों की नकेल का

कपानवा न बालसाधारकों का दावे के एवज में 76,160 करोड़ रुपये का भुगतान किया। यह 2022-23 की तुलना में 18 फीसदी अधिक है। 2023-24 में बीमा कंपनियों ने कुल 83 फीसदी दावों का निपटान किया और 11 फीसदी खारिज कर दिया। छह फीसदी दावे 31 मार्च, 2024 तक लबित रहे। इस अवधि में सामान्य और स्वास्थ्य बीमा कंपनियों ने कुल 2.69 करोड़ स्वास्थ्य दावों का निपटान कर 83,493 करोड़ रुपये का भुगतान किया। प्रति क्लेम औसत रकम 31,086 रुपये रही। विश्लेषकों का कहना है कि प्रीमियम लेने और दावों के निपटान में क्रमशः 100 फीसदी और 80 फीसदी की औसत ठीक-ठाक है। कुल दावों में से 72 फीसदी थर्ड पार्टी (टीपीए) ने निपटाए। बाकी 28 फीसदी दावों का निपटान कंपनियों ने अपने तरीके से किया। 66.16 फीसदी दावे कैशलेस तरीके से निपटाएं गए, जबकि 39 फीसदी में रिंबर्समेंट मिला। सरकारी कंपनियों का क्लेम 100 रुपये वे प्रीमियम के एवज में 90 रुपये से अधिक रहा है। नेशनल इंश्योरेंस ने 100 रुपये प्रीमियम लेकर 90.83 रुपये देता रहा।

105.87 रुपये, आरएटल 101.96 रुपये और यूनाइटेड इंडिया 109 रुपये क्लेम दिया है। सभी सरकारी बीमा कंपनियों का क्लेम औसत 103 रुपये रहा है। भारतीय बीमा नियामक एवं विकास प्राधिकरण (इरडा) की हालिया रिपोर्ट में यह दावा किया गया है कि सामान्य स्वास्थ्य और सरकारी बीमा कंपनियों 100 रुपये का प्रीमियम लेकर सिर्फ 86 रुपये ही क्लेम देती हैं। ये इरडा की रिपोर्ट है, जबकि सच्चाई कुछ और है। आप क्लेम मांग कर देखिये, ये कंपनियां कितना परेशान करती हैं उपचोका के बिल में मनमर्जी करकटीती तो आप बात है। इरडा जबीमा कंपनियों पर नियंत्रण करता है। उनकी गतिविधियों पर रोक लगाता है। उसका कार्य है कि बीमा कंपनियों द्वारा अवैध रूप से रोके गए भुगतान दिलाए। उसके नियंत्रण के बावजूद क्यों नहीं बीमा कंपनियों पर सही नियंत्रण नहीं हो रहा। इरडा ने कहा विश्व बीमा कंपनियां 100 रुपये वें प्रीमियम पर 86 रुपया ही क्लेम रही है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया कि है। कुछ बीमा कंपनियां तो 10 रुपये के एवज में 56 रुपये ही क्लेम ने कर्मी ऐन-एक्ट से रोक दिया गया है।

कर दा कियु था नहा बाता। एक प्रीमियम की एवज में केम भुगतान करने वाली बीमा कंपनियों के विरुद्ध वह क्या कारंवाई कर रहा है? वह ऐसा कर कर रहा है कि बीमा कंपनियां पूरा भुगतान दें। उसे इस रिपोर्ट पर उठाए गए कदम और आदेश भी बताने चाहिए थे।

दरअस्ल बीमा कंपनियों की भुगतन में मनमर्जी चलती है। बीमा करने वाले की कोई नहीं सुनता। मेरा ओरिंग्यल इंशोरेंस कंपनी का दस लाख का मैडिकल है। दस साल से पुरानी पोलिसी है। पहले यह बीमा पांच लाख रुपये का था। लगभग छह साल पहले मैंने इसे बढ़ाकर दस लाख का करा लिया। दस लाख में मैं और मेरी पत्नी दोनों कवर हैं। मैंने लगभग चार साल पहले अपनी पत्नी की आंख का मोतियाबिंद का आपरेशन देहरान के अमृतसर आई क्लिनिक में कराया। कंपनी का कहना है कि मोतियाबिंद के आपरेशन में हम चालिस हजार रुपये का भुगतान करेंगे। आपने खर्च कितना ही किया हो, हमें इससे कुछ नहीं लेना। मैंने दोनों आंखों के आपरेशन का 40ल 40 हजार रुपये का बिल चांसे रुपे भेजा। यहाँ आपसे ल

का इन्हने अपना मनमजा से 22 हजार का भुगतान किया। दूसरी आंख का चालिस हजार रूपये का भुगतान दिया। मैंने लिखा पढ़ी की तो उत्तर आया कि हम कर सकते हैं। हमने कर दिया। काफी लिखा पढ़ी करने और धमकाने पर काफी समय बाद बचे 18 हजार रूपये भुगतान किया। इसके बाद मैंने घुटनों का ट्रांसफॉल्ट कराया। पहले घुटने का बिल भेजा। दो लाख 38 हजार का। इन्होंने भुगतान किया दो लाख 36 हजार का।

दूसरे घुटने के आपरेशन का बिल बना दो लाख 42 हजार। इन्होंने इस भुगतान किया दो लाख 38 हजार। यह ठीक था। इतनी कटौती हो सकती है। इस पर किसी भी उपभोक्ता को आपत्ति नहीं होगी। पिछले साल मैं छोटे बेटे के पास राजकोट में थावहां मुझे बाईपास सर्जरी करानी पड़ी। इस सर्जरी का खर्च में इन्होंने करीब 70 हजार की कटौती की। इसमें 55 हजार के आसपास आपरेशन के दौरान अस्पताल द्वारा मुझे खिलाए भोजन के साथ ही आपरेशन में प्रयुक्त हुए सामान निडिल, ग्लोबज और सिरेंज आदि के लाए गये थे। जो उसे

इनस पूछन वाला नहीं कि आपरेशन के दौरान अस्पताल में रहने के दौरान क्या मरीज भोजन नहीं करेगा? क्या बिना भोजन किए आठ दिन रहा जा सकता है? इंजेक्शन सिरेंज, निडलेस, ग्लोबस आदि के बिना आपरेशन हो सकता है, ? किंतु कोई सुनने वाला नहीं ये मेरा ही नहीं औरें का भी ये ही किस्सा है। उहोने भी कहा कि उनके भी आपरेशन में प्रयोग हुई निडलेस सिरेंज ग्लोबस के भुगतान में मनमर्जी है। किसी केस में भुगतान कर देते हैं किसी में नहीं। ये समझ नहीं आता कि भुगतान में बीमा कंपनियों मनमर्जी क्यों करती हैं? इरडा को स्पष्ट आदेश करना चाहिए कि वे क्या भुगतान करेंगी क्या नहीं ये ही आदेश वाहनों के बारे में होना चाहिए। इरडा ने पीछे आदेश किया कि अप्रैल 2024 से सभी अस्पताल में कैशलेस की सुविधा मिलेगी, किंतु सभी कपनी ऐसा नहीं कर रही। एक बात और अप्रैल 2024 से पहले अस्पताल को कैशलैश के पैनल में शामिल करने में भी बड़ा खेल है। प्राइवेट कंपनियां तो कैशलैश के पैनल में अस्पताल को शामिल करने में बहुत उदार हैं, किंतु सरकारी

४८

उमादा का आचल आँढ़ रहा हूँ  
बच्चों की माँ समझ चुकी है,  
मैं अब तक खड़ा हुआ हूँ  
सूखा वृक्ष कब गिरेगा,  
सब यही सोच रहे हैं अब,  
धूप से टूटा रिश्ता मेरा,  
हे! रघुराइं न्याय करो॥



## रजीता जोशी तुलसी जयपुर

ਮਾਝ ਮਲ

नाथ नहान का खातार  
दद्दा, दादी को लाते हैं।  
गठरी - पुटकी सर पर लादे  
सब इधरइ को आते हैं।  
दद्दा, दादी कै हांथ पकड़ि  
हौले-हौले चलत अहैं।  
कुछ देखिं के मुस्कात हैं  
और कनवै मा कुछ कहत अहैं।  
अखिंयन का नीचे कई  
दादिंज कुछ सरमाई दिहिन।  
अइसन कइ धीरे से  
उनका कुछ बतियाई दिहिन।

राम-राम जपा जहा  
झोला खोलि के लेडुआ-दुंडी  
दुइनऊ जन खात अहैं।  
छोटकी पतोहिया के बात सुनि  
दद्दा खूब मुस्कात अहैं।  
प्रयागराज की महिमा  
दद्दा, दादी को बतियाते हैं  
गठरी-पुटकी सर पर लादे  
सब इधरइ को आते हैं।  
अब मेला घूमन की बारी  
दुइनऊ जन साथ चलत अहैं।  
हर दुकिनन का देखाई-देखाई

फर बड़ा दर तक दुःखनूज जन  
 मंद-मंद मुस्काते हैं।  
 गठरी-पुटकी सर पर लादे  
 सब इधरइ को आते हैं।  
 का हो तू तौ कहत रहा  
 कि साधन-सवारी ना होई।  
 सबहीं जन पैदल चलहीं  
 टम्पू-रिक्षा ना कोई।  
 इहाँ त देखिथा कि  
 सब रपटि-डपटि के चलत अहें।  
 होऊ रिक्षा वाला त  
 घाटे तक चलत अहे।  
 फिर बड़े प्रेम से ददा जी  
 उनका कुछ समझाते हैं।  
 गठरी-पुटकी सर पर लादे  
 सब इधरइ को आते हैं।  
 धीरे-धीरे चलत-चलत  
 ऊ पहुंचे घाट किनारे।  
 घाट नदी का देखिके  
 फिर राम नाम पुकारे।  
 दादी कहाँ ददा से  
 जा पहले तू नहाई ला।  
 हम झोला- झांडी ताकिथा  
 जा पहले तू उत्तराई ला।  
 बारी-बारी से कूदि- कूदि  
 फिर दुःखनूज जन नहाते हैं।  
 गठरी-पुटकी सर पर लादे  
 सब इधरइ को आते हैं।  
 संगम की रेती पर बहुठे  
 ददा खूब मगन अहैं।  
 दादिउ उनसे कम नाहीं

ददा उनसे कुछ कहत अह।  
 एक दुकानी पर से दादी  
 पितरी का द्युमका बेराई लिहिन।  
 पहिली बार अइसन भा कि बिना  
 लड़े  
 ददा उनका देवाई दिहिन।  
 तनी सकुचाई के ऊ द्युमका  
 ददा, दादी का पहिराते हैं।  
 गठरी-पुटकी सर पर लादे  
 सब इधरइ को आते हैं।  
 लार्ड-चना लिहे दना दन  
 दुःखनूज जन फाकत हैं।  
 सबहीं कुछ अचरज लागे  
 औ हर अचरज का ताकत हैं।  
 अहसे भोर से साङ्घ भई  
 औ अब चलन की बारी।  
 हंसि के ददा बाले + चलबू+  
 चलत हैं सब नर-नारी।  
 दादी पीछे ददा आगे  
 लम्बा कदम बढ़ाते हैं।  
 गठरी- पुटकी सर पर लादे  
 सब इधरई से जाते हैं।  
 माघ नहाने की खातिर  
 ददा, दादी को लाते हैं।



৩৪



	आज का दिन आपके लिए खास होने वाला है। भावनाओं में बहकर बिना सोचे-समझे किसी के साथ प्रॉमिस न करें। किसी रिश्तेदार की व्यक्तिगत समस्याओं को सुलझाने में आपका योगदान रहेगा। आज ट्रांसफर या प्रमोशन के लिए किसी से बात हो सकती है। इसमें आपको सफलता भी मिलेगी।
	आज का दिन आपके लिए उत्तम रहने वाला है। यह समय प्रेम भाव से अपना काम बनाने का है ऐसे में किसी से भी वाद-विवाद करने से बचे। आज किसी भी यात्रा का प्रोग्राम न बनाएं, क्योंकि समय व्यर्थ होने के अलावा और कुछ हासिल नहीं होगा। दूसरों के मामले में हस्तक्षेप ना करके अपनी गतिविधियों पर ही ध्यान दें।
	आज का दिन आपके लिए शानदार रहने वाला है। दूसरे का विश्वास न तोड़ें। हर काम ईमानदारी से करते रहें। परिवार में आपके अच्छे काम की तारीफ होगी। महिलाओं के लिए आज का दिन बेहद खास रहने वाला है। आज आपके पास बिजनेस को आगे बढ़ाने का अच्छा मौका है। कॉम्पटीशन की तैयारी कर रहे छात्रों को तैयारी जारी रखनी चाहिए।
	आज का दिन आपके अनुकूल रहेगा। आज जीवन में एक नया दृष्टिकोण लेकर आएं, जिससे आपमें सकारात्मक बदलाव आएंगा। आर्थिक स्थिति में अच्छे बदलाव रहेंगे। ऑफिस में कुछ सहकर्मी आपका विरोध कर सकते हैं, सबके साथ ताल-मेल बनाकर रखें। आज पैसों के लेन-देन में किसी पर ज्यादा भरोसा करने से आपको बचना चाहिए।
	आज का दिन आपके लिए खुशियों से भरा रहने वाला है। दूसरों की बातों में आने की बजाय खुद के विकें से कम लेना होगा, इससे आप बेहतर निर्णय ले पाएंगे। घर में उचित व्यवस्था बनाए रखने की कोशिश कामयाब होगी। विद्यार्थियों को निरंतर अध्ययन का उचित परिणाम हासिल होगा। दांपत्य जीवन में सरसता बनी रहेगी।
	आज का दिन आपके लिए नयी उमंग से भरा रहने वाला है। आज व्यवसाय में बहुत अधिक व्यस्तता बनी रहेगी। विभिन्न स्रोतों से आर्थिक लाभ होगा। परंतु किसी भी प्रकार का डिसीजन लेने से पहले उस पर अच्छी तरह सोच-विचार अवश्य करें। सरकारी नौकरी में किसी दूसरे डिपार्टमेंट में जाना पड़ सकता है। किसी कारण आपकी जिम्मेदारी बढ़ सकती है।

 <b>तुला</b>	आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आज आपका ध्यान केवल और केवल अपने काम के प्रति रहेगा, इसके लिए आप कठोर परिश्रम भी करने के लिए तैयार रहेंगे। आप ज्यादा लोगों से जुड़े रहेंगे, लोग आपसे से प्रभावित होंगे। सरकार अथवा उच्च अधिकारियों से आपको लाभ प्राप्त होगा। सकारात्मक सोच ज़िंदगी में ग़ज़ब का जातू कर सकती है।
 <b>वृश्चिक</b>	आज आपका दिन शानदार रहेगा। आज आपकी कम्प्यूनिकेशन की क्षमता से दूसरों को प्रभावित करेंगे। आज दोस्तों के साथ शारीरिक पर जा सकते हैं। बस अपने ख़ीर्चों पर थोड़ी नज़र रखें। अगर किसी प्रकार की उलझन मन में चल रही है तो आज अपने दोस्त से शेयर करेंगे। समाज में आपकी प्रतिष्ठा बढ़ेगी। स्ट्रॉडेंट्स के लिए आज का दिन अच्छा है।
 <b>धनु</b>	आज का दिन आपके लिए उत्तम रहने वाला है। आपकी मेहनत और व्यवस्थित रहने से व्यवसायिक समस्याएँ काफी हद तक दूर होंगी। अगर सरकारी काम रुका हुआ है, तो किसी अधिकारी की मदद से पूरा हो जाएगा। प्रतियोगिता की तैयारी कर रहे छात्रों को जल्दी ही सफलता मिलने वाली है। नौकरी में स्थिति यथावत ही रहेगी।
 <b>मकर</b>	आज आपका दिन बेहतरीन है। आज सोचे हुए काम करने के लिए और अपनी योजनाओं को पूरा करने के लिए दिन अच्छा रहेगा। पिछले कुछ समय से जिन लोगों के साथ आपकी अनबन चल रही है, तो आज दूर हो जाएंगे। आपको अपने गुण और अपने काम के कारण तारीफ मिलेंगी। दिनभर आप में कॉम्फ़िकेंड्स ज्यादा रहेगा।
 <b>कुम्भ</b>	आज आपका दिन लाभदायक रहेगा। आज आपके सामने जो भी कठिन मामले हैं, उन पर बातचीत कर सकते हैं, इससे समाधान मिलेगा। आज आप जितनी मेहनत करेंगे, आने वाले दिनों में आपको उतना ही फायदा होगा आज आप अपने दोस्तों के साथ शाम को डिनर पर जा सकते हैं। आज स्ट्रॉडेंट्स किसी विषय में अपने भाई की मदद ले सकते हैं।
 <b>मीन</b>	आज आपका दिन फेरेबल रहेगा। आज किसी धार्मिक यात्रा पर जाने का योग बन रहा है। जो लोग नया व्यापार शुरू किये हैं या नौकरी जॉड़न किये हैं उनके लिए अनुकूल समय है। जमीन-जायदाद सम्बन्धी मामलों में फैसला आपके पक्ष में आएगा। आपका आत्मविश्वास बढ़ेगा जिससे हाल के कार्य आसानी से पूरे करके आप दूसरों को प्रभावित कर सकेंगे।



























